Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

द

दंडवत करना

परिभाषा:

"दंडवत करना" अर्थात मुंह के बल भूमि पर गिरना, सामान्यतः किसी अधिकार संपन्न मनुष्य के अधीन में जैसे राजा या किसी सामर्थी मनुष्य के अधीन। इसी शब्द का अर्थ "आराधना" करना भी होता है जिसका सन्दर्भ परमेश्वर के सम्मान,स्तुति और आज्ञापालन से है ।

- इस शब्द का वास्तविक अर्थ है, "झुकना" या "दण्डवत् करना" कि किसी का दीनतापूर्वक सम्मान करें।
- जब हम परमेश्वर की स्तुति और आज्ञापालन के द्वारा उसकी सेवा और उसका सम्मान करते हैं तब हम उसकी आराधना करते हैं।
- इस्राएलियों द्वारा परमेश्वर की आराधना में अधिकतर वेदी पर पशु की बलि चढ़ाई जाती थी।
- यह शब्द उन दोनों प्रकार के लोगों के लिए काम में लिया जा सकता है एक सच्चे परमेश्वर यहोवा की उपासना करते हैं और उन लोगों के लिए भी जो झूठे देवताओं की उपासना करते हैं।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "उपासना" शब्द का अनुवाद हो सकता है "दण्डवत् करना" या "आदर करना और सेवा करना" या "सम्मान करना एवं आज्ञापालन करना"।
- कुछ प्रकरणों में इसका अनुवाद हो सकता है, "दीनतापूर्वक स्तुति करना" या "सम्मान और स्तुति करें।"

(यह भी देखें: बलिदान, स्तुति, आदर)

दंडवत करना

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 02:18–19
- व्यवस्थाविवरण 29:18
- निर्गमन 03:11–12
- लूका 04:07
- मत्ती 02:02
- मत्ती 02:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न_ मानना_|"
- **14:02** कनानियो ने न तो परमेश्वर की _ आराधना_ की और न ही आज्ञा का पालन किया। उन्होंने झूठे देवताओं की _ उपासना_ की, और बहुत से दुष्टता के कार्य किए।
- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करे जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की **उपासना** करें और बलिदान चढाएँ।
- **18:12** इस्राएल राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग मूर्तियों की **उपासना** करते थे।
- **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की '**उपासना**' कर।’”
- **26:02** सब्त के दिन वह(यीशु)**आराधना** करने के स्थान पर गया।
- **47:01** वहाँ वह लुदिया नामक एक भक्त स्त्री से मिले जो कि व्यापारी थी। वह बहुत प्रेम के साथ प्रभु की **आराधना** करती थी।
- **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम प्रार्थना करें, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी _ आराधना_ करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5457, H5647, H6087, H7812, G1391, G1479, G2151, G2318, G2323, G2356, G3000, G3511, G4352, G4353, G4573, G4574, G4576

दक्षिण देश

तथ्य:

नेगेव इस्राएल के दक्षिणी भाग में एक रेगिस्तानी क्षेत्र था जो खारे ताल के दक्षिणपूर्व में था।

- मूल शब्द, नेगेव का अर्थ है "दक्षिण" कुछ अंग्रेजी अनुवादों में यही अनुवाद किया गया है।
- हो सकता है कि जहां आज नेगेव रेगिस्तान है वह "दक्षिण" नहीं है|
- कादेश में वास करते समय अब्राहम नेगेव या दक्षिणी क्षेत्र में था।
- इसहाक नेगेव में ही रहता था जब रिबका यात्रा करके उससे विवाह करने आई थी।
- यहूदियों के गोत्र का यूहदा और शमौन इस दक्षिणी भाग में रहते थे।
- नेगेव क्षेत्र का सबसे बड़ा नगर बर्शेबा था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बेर्शेबा, इस्राएल, यहूदा, कादेश, खारे ताल, शमौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 12:9
- उत्पत्ति 20:1–3
- उत्पत्ति 24:62
- यहोशू 03:14–16
- गिनती 13:17–20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5045, H6160

दण्ड

परिभाषा:

"दण्ड " शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

- इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, "हम पर विनाश आ पड़ा है"।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "आपदा" या "दण्ड" या "आशारहित विनाश"।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 07:5–7
- यहेजकेल 30:8–9
- यशायाह 06:4–5
- भजन संहिता 092:6–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

दण्ड देना

परिभाषा:

"दण्ड देना" शब्द का अर्थ है किसी को उसके गलत काम के नकारात्मक परिणाम भोगना। "दण्ड" का सन्दर्भ उस परिणाम से है जो मनुष्य के अनुचित कार्य के लिए उसे भोगना पड़ता है।

दण्ड देना

- दण्ड का उद्देश्य होता है कि मनुष्य पाप करना छोड़ दे।
- परमेश्वर इस्राएलियों को अवज्ञा का दण्ड देता था, विशेष करके झूठे देवता की उपासना का। उनके पापों के कारण परमेश्वर उनके शत्रुओं को अनुमति देता था कि वे उन पर आक्रमण करके उन्हें बन्दी बना लें।
- परमेश्वर न्यायी एवं धर्मनिष्ठ है इसलिए उसे पाप का दण्ड देना पड़ता है। प्रत्येक मनुष्य ने परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया है और दण्ड के योग्य है।
- यीशु को प्रत्येक मनुष्य के सब बुरे कामों का दण्ड मिला। उसने प्रत्येक मनुष्य का दण्ड अपने ऊपर ले लिया जबकि उसने तो कोई भी गलत काम नहीं किया था कि दण्ड भोगे।
- "दंडमुक्त रहना" या "निर्दोष ठहराना" अर्थात् मनुष्य को अनुचित कार्य का दण्ड न देने का निर्णय। परमेश्वर प्रायः पाप का दण्ड विलम्बित करता है क्योंकि वह मनुष्यों द्वारा मन फिराव की प्रतीक्षा करता है।

(यह भी देखें: न्यायोचित, पश्चाताप, धर्मी, पाप)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 4:18
- 2 थिस्सलुनीकियों 1:9
- प्रे.का. 4:21
- प्रे.का. 7:59–60
- उत्पत्ति 4:15
- लूका 23:16
- मत्ती 25:46

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **13:7** परमेश्वर ने पालन करने हेतु उनको और भी बहुत से नियम और अध्यादेश दिए। अगर लोग इन नियमों का पालन करते थे, तो परमेश्वर ने वादा किया था कि वह उन्हें आशीर्वाद और उनकी रक्षा करेगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह **दण्ड** के पात्र बनेंगे।
- **16:2** क्योंकि इस्राएल परमेश्वर की अवज्ञा करते रहे, इसलिए उसने उनके दुश्मनों को उन्हें पराजित करने की अनुमति देकर **दण्ड** दिया।
- **19:16** भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी दी कि, यदि उन्होंने दुष्टता के काम करना बंद नहीं किए, और परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना आरंभ नहीं किया, तो परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें **दण्ड** देगा।
- **48:6** यीशु सबसे उत्तम महान पुरोहित है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का **दण्ड**, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किए हों, अपने ऊपर ले लिया।
- **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का लहू उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का **दण्ड** उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।
- **49:9** लेकिन परमेश्वर ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई यीशु पर विश्वास करे उसे उसके पापों का **दण्ड** नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा परमेश्वर के साथ रहेगा।

दण्डवत्

- **49:11** यीशु ने कभी कोई पाप नहीं किया था, लेकिन फिर भी उसने **दण्ड** उठाने और मारे जाने को चुना ताकि एक सिद्ध बलिदान के रूप में आपके तथा संसार के हर मनुष्य के पापों को उठा ले जा सके |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3027, H3256, H4148, H4941, H5221, H5414, H6031, H6064, H6213, H6485, H7999, H8011, H8199, G13490, G15560, G15570, G28490, G38110, G50970

दण्डवत्

परिभाषा:

"दण्डवत्" करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। "दण्डवत् करना" का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

- अन्य अभिव्यक्तियों में "घुटने भूमि पर टिकाना" और "सिर झुकाना" (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
- "दण्डवत् करना" निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने "घुटने टेके" वह दीनता की हीन दशा में होता है।
- मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
- परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
- बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
- बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है "आगे को झुकना" या "सिर झुकाना" या "घुटने टेकना"।
- "घुटने टेकने" का अनुवाद "घुटनों पर गिरना" या "दण्डवत् करना" हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: दीन, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 05:17–19
- निर्गमन 20:4–6
- उत्पत्ति 24:26–27
- उत्पत्ति 44:14–15
- यशायाह 44:19
- लूका 24:4–5
- मत्ती 02:11–12
- प्रकाशितवाक्य 03:9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

दण्डवत् करना

परिभाषा:

"दण्डवत्" का अर्थ है मुंह के बल भूमि पर सीधा गिरना।

- किसी को "दण्डवत् करना" या "मुंह के बल भूमि पर गिरना" का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या किसी के समक्ष झुकना।
- दण्डवत करने की यह मुद्रा प्रायः विस्मय, आश्चर्य और भय की प्रतिक्रिया है, किसी अलौकिक घटना के कारण। इसमें जिसको दण्डवत् किया जा रहा है उसके प्रति सम्मान और आदर का प्रदर्शन भी है।
- दण्डवत् करना परमेश्वर की आराधना विधि भी थी। मनुष्य यीशु के चमत्कार या गुरू रूप में उसके आदर हेतु धन्यवाद के साथ ऐसी प्रतिक्रिया दिखाते थे।
- प्रकरण के अनुसार "दण्डवत् " का अनुवाद हो सकता है, "भूमि पर चेहरा करके झुकना" या "उसके सामने मुंह के बल गिरकर आराधना करना" या "विस्मय के कारण भूमि पर मुंह के बल गिरना" या "आराधना करना"।
- "हम दण्डवत् नहीं करेंगे" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "आराधना नहीं करेंगे" या "आराधना में मुंह के बल नहीं गिरेंगे" या "हम आराधना में नहीं झुकेंगे"।
- "को दण्डवत् करना" का अनुवाद हो सकता है, "आराधना करना" या "सामने झुकना"

(यह भी देखें: आह, दण्डवत् करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 17:36–38
- उत्पत्ति 43:28–29
- प्रकाशितवाक्य 19:3–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5307, H5457, H6440, H6915, H7812, G4098

दमिश्क

तथ्य:

दमिश्क सीरिया की राजधानी है। यह नगर आज भी वहीं है जहां वह बाइबल युग में था।

दया

- दमिश्क दुनिया के सबसे पुराने, लगातार आबाद शहरों में से एक है।
- अब्राहम के युग में दमिश्क अराम राज्य (अराम राज्य आज के सीरिया में था) की राजधानी था।
- संपूर्ण पुराने नियम में दमिश्क के निवासियों और इस्राएली प्रजा के मध्य पारस्परिक क्रिया के अनेक संदर्भ हैं।
- बाइबल की कई भविष्यद्वाणियां दमिश्क के विनाश की भविष्यवाणी करती हैं। हो सकता है कि ये भविष्यद्वाणियां तब पूरी हुई हों जब अश्शूर ने पुराने नियम के समय में शहर को नष्ट कर दिया था, या भविष्य में इस शहर का और अधिक पूर्ण विनाश भी हो सकता है।
- नए नियम में, फरीसी शाऊल (बाद में पौलुस के नाम से जाना गया) दमिश्क शहर में मसीहीयों को बन्दी बनाने के लिए जा रहा था जब यीशु ने उसका सामना किया और उसे विश्वासी बना दिया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, अश्शूर, विश्वास, सीरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 24:23–24
- प्रे.का. 9:1–2
- प्रे.का. 9:3
- प्रे.का. 26:12
- गलातियों 1:15–17
- उत्पत्ति 14:15–16

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1834, G11540

दया

परिभाषा:

"दया" और "दयालु" शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

- "दया" का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
- कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को "दयालु" कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ सहारद्र व्यवहार करता है।
- दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
- जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
- परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "दया" का अनुवाद "करूणा" या "अनुकंपा" या "सहानुभूति" भी किया जा सकता है।
- "दयालु" का अनुवाद "दया दिखाना" या "किसी पर कृपालु होना" या "क्षमाशील" होना।
- "दया दिखाना" या "दया करना" का अनुवाद "कृपालु व्यवहार करना" या "अनुकंपा दर्शाना" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: तरस, क्षमा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 1:3–5
- 1 तीमुथियुस 1:13
- दानिय्येल 9:17
- निर्गमन 34:6
- उत्पत्ति 19: 16
- इब्रानियों 10:28–29
- याकूब 2:13
- लूका 6:35–36
- मत्ती 9:27
- फिलिप्पियों 2:25–27
- भजन संहिता 41:4–6
- रोमियो 12:1

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **19:16** उन्होंने (भविष्यद्वक्ताओं ने) लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और _दया_के काम करना आरंभ करें।
- **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर **दया** की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
- **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति **दयालू** था।
- **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर **दया** की।”
- **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर **दया** करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं।

दर्शन

- **34:9** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, 'हे परमेश्वर मुझ पर **दया** कर क्योंकि मैं पापी हूँ।'"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G16530, G16550, G16560, G24330, G24360, G36280, G36290, G37410, G46980

दर्शन

तथ्य:

"दर्शन" का अर्थ है, मनुष्य द्वारा कुछ देखना। इसका सन्दर्भ विशेष रूप से असामान्य या अलौकिक विषय से है जो परमेश्वर मनुष्यों को अपना सन्देश देने के लिए दिखाता है।

- दर्शन मनुष्य की जागृत अवस्था में देखे जाते हैं। तथापि सोते समय भी मनुष्य को स्वप्न में दर्शन दिखाई देते हैं।
- परमेश्वर मनुष्य को दर्शन दिखाता है कि उन पर कोई महत्वपूर्ण बात प्रकट करे। उदाहरणार्थ, पतरस को दर्शन दिखाया गया जिसका उद्देश्य था कि उसे अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाने के लिए स्वीकार करना सिखाए।

अनुवाद के सुझाव:

- "एक दर्शन देखा" इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर की ओर से असामान्य कुछ देखा" या "परमेश्वर ने उसे कुछ विशेष बात दिखाई।"
- कुछ भाषाओं में "दर्शन" और "स्वप्न" के लिए अलग-अलग शब्द नहीं होंगे। अतः "दानिय्येल के मन में सपने और दर्शन थे" इस वाक्यांश का अनुवाद कुछ इस प्रकार हो सकता है, "दानिय्येल सोते हुए सपना देख रहा था और परमेश्वर ने उसे असामान्य बातों को देखने योग्य किया।"

(यह भी देखें: स्वप्न)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 9:10–12
- प्रे.का. 10:3–6
- प्रे.का. 10:11
- प्रे.का. 12:9–10
- लूका 1:22
- लूका 24:23
- मत्ती 17:9–10

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2376, H2377, H2378, H2380, H2384, H4236, H4758, H4759, H7203, H7723, H8602, G37010, G37050, G37060

दलीला

तथ्य:

दलीला एक पलिश्ती स्त्री थी जिससे शिमशोन प्रेम करने लगा था परन्तु वह उसकी पत्नी नहीं थी।

- दलीला शिमशोन से अधिक पैसो से प्रेम करती थी।
- पलिश्तियों ने दलीला को घूस देकर शिमशोन की शक्तियों को विमुख करने का भेद जानने के लिए कहा। उसकी शक्ति समाप्त हो जाने पर पलिश्तियों ने उसे बन्दी बना लिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: घूस, पलिश्ती, शिमशोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- न्यायियों 16:4–5
- न्यायियों 16:6–7
- न्यायियों 16:10–12
- न्यायियों 16:18–19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1807

दस आज्ञाएँ

तथ्य:

"दस आज्ञाएँ" वे आज्ञाएँ थीं जो परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर मूसा को दी थीं, जब इस्राएली कनान देश की ओर जाते हुए उजाड़ में रह रहे थे। परमेश्वर ने इन आज्ञाओं को पत्थर की दो बड़ी पटियाओं पर लिखा।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा मानने के लिए कई आज्ञाएँ दी थीं, लेकिन दस आज्ञाएँ इस्राएलियों को परमेश्वर से प्रेम करने और उसकी आराधना करने और अन्य लोगों से प्रेम करने में मदद करने के लिए विशेष आज्ञाएँ थीं।
- ये आज्ञाएँ अपने लोगों के साथ परमेश्वर की वाचा का भी हिस्सा थीं। परमेश्वर ने उन्हें जो करने की आज्ञा दी थी उसका पालन करने से, इस्राएल के लोग दिखाएंगे कि वे परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसके हैं।
- पत्थर की पटियाएँ जिन पर आज्ञाएँ लिखी हुई थीं, उन्हें वाचा के संदूक में रखा गया था, जो मिलापवाले तम्बू के सबसे पवित्र स्थान और बाद में भवन में स्थित था।

(यह भी देखें: वाचा का सन्दूक, आज्ञा, वाचा, रेगिस्तान, व्यवस्था, पालन, सीनै, आराधना)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 4:13–14
- व्यवस्थाविवरण 10:3–4
- निर्गमन 34:27–28
- लूका 18:18–21

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:07** तब परमेश्वर ने इन **दस आज्ञाओं** को पत्थर की दो पटियाओं पर लिखकर मूसा को दिया।
- **13:13** जब मूसा पहाड़ से नीचे आया और उसने मूर्ति को देखा, तो वह इतना क्रोधित हुआ कि उसने उन पत्थरों को तोड़ डाला जिन पर परमेश्वर ने **दस आज्ञाएँ** लिखी थीं।
- **13:15** तब मूसा ने पहली तख्तियों के समान दो और तख्तियाँ गढ़ी; क्योंकि पहली उसने तोड़ डाली थी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1697, H6235

दसवां

परिभाषा:

"दसवां" या "दशमांश" का उस पैसे, फसल, मवेशियों या अन्य संपदा के दस प्रतिशत या दस में से एक भाग के सन्दर्भ में है जो परमेश्वर को दिया जाना है।

- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि वे अपने सब कुछ का दसवां अंश परमेश्वर के लिए धन्यवाद की भेंट स्वरूप पृथक कर दें।
- यह भेंट इस्राएलियों के लेवी गोत्र के संभरण के लिए थी क्योंकि वे इस्राएलियों के लिए याजकों की सेवा करते थे और निवास तथा मंदिर की देखरेख करते थे।
- नये नियम में परमेश्वर के लिए दशमांश पृथक करने की आज्ञा तो नहीं है परन्तु उदारता तथा सहर्ष देने का विचार है कि मसीही सेवा में सहयोग तथा गरीबों को सहायता प्राप्त हो।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "दसवां अंश" या "दस में से एक भाग।"

(यह भी देखें: विश्वास, इस्राएल, लेवी, मवेशी, मेलिकिसिदक, सेवक, बलि, मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 14:19–20
- उत्पत्ति 28:20–22
- इब्रानियों 7:4–6
- यशायाह 6:13
- लूका 11:42
- लूका 18:11–12
- मत्ती 23:23–24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4643, H6237, H6241, G5860, G11810, G11830

दाँवना

परिभाषा:

"दाँवना" और "दाँवने" गेहूं से गेहूं का दाना अलग करने के काम को कहते हैं।

- गेहूं के पौधे को दाँवना से पुआल और भुसा से अनाज को ढीला करता है। बाद में अनाज को "फटका जाता है" ताकि अवांछित सामग्रियों से अनाज को पूरी तरह से अलग किया जा सके, केवल उस भाग को छोड़कर जो खाया जा सकता है।
- बाइबल के युग में खलिहान एक समतल बड़ी चट्टान होती थी या मलबा दबा कर कठोर बनाया हुआ फर्श होता था जिस पर गेहूं की दाँवनी की जाती थी कि गेहूं के दाने अलग किए जाएं।
- "दंवनी छकड़ा" या "दंवनी चर्खी" गेहूं को रौंदने और दानों को भूसी से अलग करने के काम में लिया जाता था।
- "दंवनी हथौड़ा" या "दंवनी पटल" गेहूं के दानों की अलग करने के लिए काम में लिया जाता था। यह लकड़ी का एक तख्ता होता था जिसमें कीले लगी होती थी।

(यह भी देखें: भूसी, अन्न, हवा में उड़ाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 03:1–3
- 2 राजा 13:6–7
- 2 शमूएल 24:15–16
- दानिय्येल 02:34–35
- लूका 03:17
- मत्ती 03:10–12
- रूत 03:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H212, H4173, H1637, H1758, H1786, H1869, H2251, G248

दाऊद

तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

- दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
- दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
- राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
- दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
- मसीह यीशु को "दाऊद की सन्तान" कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गोलियत, पलिश्ती, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 17:12–13
- 1 शमूएल 20:32–34
- 2 शमूएल 05:1–2
- 2 तीमुथियुस 02:8–10
- प्रे.का. 02:25–26
- प्रे.का. 13:21–22
- लूका 01:30–33
- मरकुस 02:25–26

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम **दाऊद** था। बैतलहम नगर में **दाऊद** एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **17:03** **दाऊद** एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब **दाऊद** एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
- **17:04** शाऊल यह देख कि लोग **दाऊद** को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण **दाऊद** शाऊल से छिप रहा था।
- **17:05** परमेश्वर ने **दाऊद** को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। **दाऊद** ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
- **17:06** **दाऊद** चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- **17:09** **दाऊद** ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।

- **17:13 दाऊद** ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। **दाऊद** को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, **दाऊद** ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1732, G1138

दाऊद का घराना

तथ्य:

“दाऊद के घराने” का अर्थ है राजा दाऊद के वंशज या उसका परिवार।

- इसका अनुवाद “दाऊद के वंशज” या “दाऊद का परिवार” या “राजा दाऊद का कुल” हो सकता है
- क्योंकि यीशु दाऊद का वंशज था वह “दाऊद के घराने” का था।
- कभी-कभी “दाऊद का घराना” या “दाऊद का वंश” दाऊद के जीवित वंशजों के संदर्भ में भी है।
- अन्यथा यह उक्ति सामान्यतः उसके सब वंशजों के संदर्भ मे है, जो मर गए उनके भी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, वंशज, घराना, यीशु, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 10:19
- 2 शमूएल 3:6
- लूका 1:69–71
- भजन संहिता 122:5
- जकर्याह 12:7

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1004, H1732, G11380, G36240

दाऊद का नगर

तथ्य:

"दाऊद का नगर" यरूशलेम और बैतलहम दोनों का दूसरा नाम है।

- यरूशलेम वह नगर है जिसमें दाऊद इस्राएल पर राज करते समय रहता था।
- बैतलहम वह नगर था जहां दाऊद का जन्म हुआ था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, बैतलहम, यरूशलेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:1–2
- 2 शमूएल 05:6–7
- यशायाह 22:8–9
- लूका 02:4–5
- नहेम्याह 03:14–15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1732, H5892, G11380, G41720

दाख

परिभाषा:

"लता" शब्द ऐसे पौधे को संदर्भित करता है जो भूमि पर फैलता है या पेड़ों और अन्य संरचनाओं पर चढ़ने से बढ़ता है।

बाइबल में “दाखलता” शब्द केवल फल लानेवाली लता के लिए काम में लिया गया है और अधिकतर दाखलता के लिए काम में लिया गया है।

- बाइबल में "दाखलता" लगभग सदैव ही “अंगूर की बेल” के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- अंगूर की शाखाएं मुख्य तने से जुड़ी होती हैं जो उन्हें पानी और अन्य पोषक तत्व देती हैं ताकि वे बढ़ सकें।
- यीशु ने स्वयं को “दाखलता” और विश्वासियों को “डालियाँ” कहा है। यहाँ “दाखलता” का अनुवाद हो सकता है “दाखलता की डाली” या “दाख की शाखा”।(देखें: उपमा)

(यह भी देखें: दाख, दाख की बारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 40:9
- उत्पत्ति 49:11
- यूहन्ना 15:1
- लूका 22:18
- मरकुस 12:3
- मत्ती 21:35–37

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5139, H1612, H8321, G288, G290, G1009, G1092

दाख की बारी

परिभाषा:

दाख की बारी एक बड़ा बागवानी क्षेत्र है जहाँ अंगूर उगाए जाते हैं और अंगूर की खेती होती है।

- दाख की बारी प्रायः दीवारों से घिरी होती है कि चोरों और जानवरों से दाख की रक्षा की जाए।
- परमेश्वर ने इस्राएल की तुलना उस दाख की बारी से की थी जिसमें अच्छे फल नहीं लगे। (देखें: उपमा)
- दाख की बारी का अनुवाद किया जा सकता है, “अंगूरों का बगीचा” या “अंगूर की खेती”

(यह भी देखें: अंगूर, इस्राएल, दाखलता)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 9:20–21
- लूका 13:6
- लूका 20:15
- मत्ती 20:2
- मत्ती 21:40–41

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1612, H3754, H3755, H8284, G289, G290

दाखमधु

परिभाषा:

“दाखमधु” शब्द उन पेय पदार्थों के लिए काम में लिया गया है जिनका किण्वन किया गया है और उनमें अल्कोहल की मात्रा है।

- मदिरा अन्न से या फल से बनाई जाती थी जो किण्वन की प्रक्रिया से निकाली जाती थी|
- "मदिरा" के प्रकार में दाखरस, ताड़ की मदिरा, बीयर और सेब का सिरका आता है। बाइबिल में, दाखरस सबसे अधिक बार उल्लेख की जाने वाली मदिरा थी।
- याजक या विशिष्ट शपथ खाने वाले जैसे नाजीर मनुष्य को किसी भी प्रकार का खमीर किया गया पेय वर्जित था।
- इस शब्द को "किण्वित पेय" या "अल्कोहलयुक्त पेय" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अंगूर, नाजीर, मन्नत, दाखरस)

बाइबल के सन्दर्भ:

- यशायाह 5:11–12
- लैव्यव्यवस्था 10:9
- लूका 1:14–15
- गिनती 6:3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5435, H7941, G46080

दाखरस

परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

- “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
- दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
- बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
- भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
- पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
- यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस” (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: अंगूर, दाखलता, दाख की बारी, दाखरस के कुण्ड)

बाइबल संदर्भ:

- 1 तीमुथियुस 05:23
- उत्पत्ति 09:21
- उत्पत्ति 49:12
- यूहन्ना 02:3–5
- यूहन्ना 02:10
- मत्ती 09:17
- मत्ती 11:18

नष्ट करना

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

दाखरस के कुण्ड

परिभाषा:

बाइबल के युग में दाखरस के कुण्ड वे वृहत कुंड या खुले स्थान थे जहाँ दाख का रस निकाला जाता था कि दाखरस तैयार किया जाए।

- इस्राएल में दाखरस के ये कुण्ड बहुत बड़े होते थे जिनको कठोर चट्टानों में खोद कर बनाया जाता था। दाख के गुच्छे इन गड्ढों के समतल तल पर डाल कर मनुष्यों द्वारा पांवों से रौंदा जाता था कि दाख रस बहकर बाहर निकले।
- आमतौर पर एक दाखरस के कुंड का दो स्तर होता है, शीर्ष स्तर पर अंगूरों को कुचल दिया जाता है, जिससे कि रस निचले स्तर पर चला जाएगा जहां वह एकत्र होगा।
- "दाखरस का कुंड" बाईबल में लाक्षणिक रूप में परमेश्वर के प्रकोप के लिए काम में लिया गया है जो दुष्टों पर उंडेला जाएगा|

(देखें: रूपक)

(यह भी देखें: अंगूर, प्रकोप)

बाइबल सन्दर्भ:

- यशायाह 63:2
- मरकुस 12:1
- मत्ती 21:33
- प्रकाशितवाक्य 14:20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1660, H3342, H6333, G3025, G5276

दान

परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

- दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
- यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
- इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 3:1–3
- मत्ती 6:1
- मत्ती 6:3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G16540

दान

तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

- अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
- "दानियों" शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, यरूशलेम, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 12:34–35
- 1 राजा 04:24–25
- निर्गमन 01:1–5
- उत्पत्ति 14:13–14
- उत्पत्ति 30:5–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1835, H1839, H2051

दानव

रापा, रपाइयों, रापाइम,

तथ्य:

शब्द "रापा" उन निवासियों के समूह का नाम है जो यर्दन नदी के पूर्वी किनारे पर एक स्थान पर रहते थे। "रापा" को "रापाई" या "रापाइम" कहा जाता है।

- इस जन समूह के नाम पर एक घाटी का नाम रखा गया, "रपाईम की तराई", जिसका उल्लेख पुराने नियम में छह बार किया गया है।
- "रापा" एक इब्रानी शब्द का अंग्रेज़ी लिप्यंतरण है। यह निश्चित रूप से निर्धारित करना कठिन है कि "रापा" शब्द का क्या अर्थ है और इसके परिणामस्वरूप "रापा" शब्द किस प्रकार के प्राणियों को संदर्भित करता है। "रापा" शब्द जीवित लोगों, आत्माओं, या अर्ध-दिव्य प्राणियों के समूह को संदर्भित कर सकता है। इस कारण से कई अंग्रेज़ी अनुवादों ने मूल भाषा (इब्रानी) शब्द को "रपाइयों" या "रापाइम" के रूप में लिप्यंतरित करना चुना है। हो सकता है कि आप अपने अनुवाद में भी ऐसा ही करना चाहें।
- अम्मोनियों के समूह ने रपाइयों को "जमजुम्मी" नाम से बुलाया (देखें व्यवस्थाविवरण 2:20)।

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें, शब्दों की नकल या उधार लें)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग :

दानिय्येल

तथ्य:

दानिय्येल एक इस्राएली भविष्यद्वक्ता था जिसे 600 ई.पू. में नबूकदनेस्सर द्वारा बन्दी बनाकर बेबीलोन ले जाया गया था, उस समय वह युवावस्था में ही था।

यह वह समय था जब यहूदा से अनेक इस्राएली बेबीलोन में 70 वर्ष के लिए बन्धुआई में थे।

- दानिय्येल को कसदी नाम, बेलतशस्सर रखा गया।
- दानिय्येल एक सम्मानित एवं धर्मी मनुष्य था, वह परमेश्वर की आज्ञाओं को मानता था।
- परमेश्वर ने दानिय्येल को योग्यता प्रदान की थी कि वह बेबीलोन के राजाओं के अनेक स्वप्न एवं दर्शनों का अर्थ उन्हें समझाएं।
- उसकी योग्यता और सम्मानित चरित्र के कारण दानिय्येल को बेबीलोन साम्राज्य में अगुआई का ऊंचा स्थान दिया गया था।
- अनेक वर्ष बाद दानिय्येल के बैरियों ने राजा दारा के साथ चतुराई करके आज्ञा निकलवाई कि प्रजा राजा की अपेक्षा अन्य किसी ईश्वर की उपासना न करे। दानिय्येल ने परमेश्वर से प्रार्थना करना नहीं छोड़ा, परिणामस्वरूप उसे शेरों के गुफा में डाल दिया गया। परन्तु परमेश्वर ने उसकी रक्षा की और शेरों ने उसे किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचाई।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, नबूकदनेस्सर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:6–7
- दानिय्येल 05:29–31
- दानिय्येल 07:27–28
- यहेजकेल 14:12–14
- मत्ती 24:15–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1840, H1841, G1158

दारा

तथ्य:

दारा नाम फारस के अनेक राजाओं का था। संभव है कि "दारा" नाम की अपेक्षा एक उपाधि थी।

- "मादी दारा" को जाल में फंसा कर दानिय्येल विरोधियों ने दानिय्येल को यहोवा की उपासना के कारण सिंहों की मान्द में डलवा दिया था।
- "फारसी दारा" ने एज्रा और नहेम्याह के समय यरूशलेम के मन्दिर के पुनः निर्माण हेतु प्रबन्ध किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: फारस, बाबेल, दानिय्येल, एज्रा, नहेम्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 4:4–6
- हाग्गै 1:1
- नहेम्याह 12:22
- जकर्याह 1:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1867, H1868

दिन

परिभाषा:

"दिन" शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः प्रकाश और अन्धकार के बारी-बारी से आकाश मेंआने के समय से है जो एक चक्र पूरा करते हैं (अर्थात 24 घंटे) तथापि, बाइबल में, इसी शब्द का उपयोग अधिकतर समय के एक लघुकाल के लिए किया गया है (जैसे सूर्योदय से सूर्यास्त के मध्य का समय) या दीर्घकालीन समय के लिए जिसकी निश्चित अवधि नहीं बताई गई है।

- "दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।
- यह शब्द समय के किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"
- कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग किया जाता हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक के रूप में नहीं किया जाता हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "दिन" या "दिन के समय" के रूप में करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करें जो दिन के उस समय को दर्शाए जब प्रकाश होता है।
- “दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "दिन का समय", “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” आदि प्रकरण पर आधारित।

(यह भी देखें: समय, दण्ड का दिन, अन्तिम दिन)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:6
- दानिय्येल 10:4
- एज्रा 6:15
- एज्रा 6:19
- मत्ती 9:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3117, H3118, H6242, G2250

दीन

परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

- परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
- मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
- नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
- नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
- “दीन बनो” का अनुवाद, “निरभिमान होना” हो सकता है।
- “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: घमंड)

बाइबल संदर्भ:

- याकूब 1:21
- याकूब 3:13
- याकूब 4:10
- लूका 14:11
- लूका 18:14
- मत्ती 18:4
- मत्ती 23:12

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **17:2** दाऊद एक बहुत ही _ नम्र_ व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:10** "जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह_छोटा_ किया जाएगा, और जो अपने आप को **छोटा** बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G08580, G42360, G42390, G42400, G50110, G50120, G50130, G53910

दीन

परिभाषा:

"दीन" और "नम्रता", इन शब्दों का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ "विनम्र" होने से भी है।

- यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
- उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
- दीन स्वभाव अभिमानी होने का विलोम है।
- "दीनता" के अनुवाद रूप है "विनम्र" या "दीन दशा" या "महत्वहीन"।
- "दीन दशा" का अनुवाद "दीनता" या "बहुत कम महत्व" भी हो सकता है।

(यह भी देखें: दीन, घमण्डी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 20:19
- यहेजकेल 17:14
- लूका 1:48–49
- रोमियो 12:16

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

दीया

परिभाषा:

"दीपक" शब्द प्रकाश उत्पन्न करने का माध्यम होता है। बाइबल में जिन दीपकों की चर्चा की गई है वे तेल से जलते थे,

बाईबल के युग में जिस दीपक को काम में लिया जाता था वह एक छोटा सा पात्र होता था जिसमें ईंधन डाला जाता था- सामान्यतः तेल, जलाने पर वह प्रकाश देता था।

- साधारण दीया मिट्टी का बनता था जिसमें जैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
- कुछ दीए अण्डाकार होते थे जिनकी एक भुजा दबी होती थी जहां बत्ती रखी जाती थी।
- तेल की दीपक को लेकर चला जा सकता है या एक ऊँचे स्थान पर रखा जाता था कि उसका प्रकाश सम्पूर्ण कमरे को या घर को प्रकाशित कर सके।
- धर्म-शास्त्र में दीपक प्रतीकात्मक रूप में जीवन और ज्योति का प्रतीक है।

(यह भी देखें: दीवट, जीवन, ज्योति)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:34–36
- निर्गमन 25:3–7
- लूका 08:16–18
- मत्ती 05:15–16
- मत्ती 06:22–24
- मत्ती 25:1–4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G29850, G30880

दीवट/दीवटों

परिभाषा:

बाइबल में "दीवट" शब्द उस रचना का संदर्भ देता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

- एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
- यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "दीपक चौकी" या "दीपक रखने की रचना" या "दीपदा।"
- मन्दिर के दीपदान का अनुवाद हो सकता है, "सप्तदीपक पीठिका" या "सात दीपकों की सोने की चौकी।"
- अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में सप्तभुजा दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: तांबा, सोना, दीया, प्रकाश, चांदी, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 5:5–6
- निर्गमन 37:17
- मरकुस 4:21–23
- मत्ती 5:15–16
- प्रकाशितवाक्य 1:12–13
- प्रकाशितवाक्य 1:20

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4501, G30870

दुःख

परिभाषा:

"दुःख" जीवन का अनुभव है अर्थात कठिन और निराशा का।किसी को "क्लेश" पहुचाना अर्थात् उस मनुष्य को "परेशान" करना या "कष्ट" देना।"परेशान होना" का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

दुःख उठाना

- कष्ट, शरीरिक, मानसिक या आत्मिक हो सकता है जिससे मनुष्य आहत होता है।
- बाइबल में, कष्ट परिक्षा के समय होते हैं जिनके द्वारा परमेश्वर विश्वासियों को विश्वास में परिपक्व एवं विकसित होने में सहायता करता है।
- पुराने नियम में "कष्ट" अनैतिक जीवनशैली और परमेश्वर का त्याग करनेवाली जातियों के दण्ड के सन्दर्भ में आया है।

अनुवाद के सुझाव

- "कष्ट" या "क्लेश" का अनुवाद "संकट" या "दुःखदायी घटनाएं"या "उत्पीड़न" या "दुखद अनुभव" या "विपत्ति" भी किया जा सकता है।
- "घबराना" का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो "कष्टों में होना" या "भयानक कष्ट का अनुभव करना" या "गहरी चिन्ता" या "तनाव" या "विपत्ति" या "भय" या "परेशानी"।
- "उसे परेशान मत करो" का अनुवाद हो सकता है, "उसे रहने दो" या "उसकी आलोचना मत करो"
- "विपत्ति के दिन" या "विपत्ति के समय" का अनुवाद हो सकता है, "जब तुम कष्टों का अनुभव करो" या "जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं" या "जब परमेश्वर विपत्तियां लाए"।
- "कष्ट लाना" या "कष्ट का कारण" का अनुवाद हो सकता है, "कष्टकारी बातें करना" या "कठिनाई उत्पन्न करना" या "कठिनाइयों का अनुभव कराना"

(यह भी देखें: क्लेश देना, सताना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 18:18–19
- 2 इतिहास 25:19
- लूका 24:38
- मत्ती 24:6
- मत्ती 26:36–38

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H926, H927, H1204, H1607, H1644, H1804, H2000, H4103, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7489, H8513, G387, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5182

दुःख उठाना

परिभाषा:

"दुःख उठाना" और "कष्ट भोगना" का सन्दर्भ अनर्थकारी अनुभव से है, जैसे रोग, पीड़ा या अन्य क्लेशों से है।

दुःख उठाना

- जब मनुष्यों को सताया जाता है या जब वे रोगी होते हैं तब उन्हें कष्ट होता है।
- कभी-कभी मनुष्य अपने गलत कामों के कारण भी दुख उठाता है, कभी-कभी संसार में पाप और रोग के कारण मनुष्य दुख उठाता है।
- दुख शारीरिक भी होता है जैसे पीड़ा और रोग। मानसिक दुख भी होता है जैसे भय, उदासी या अकेलापन।
- "मुझे सह लो" अर्थात् "मेरे साथ सहनशील रहो" या "मेरी बात सुनो" या "धीरज धरकर सुनो"।

अनुवाद के सुझाव:

- "दुख उठाना" का अनुवाद हो सकता है, "पीड़ा का अनुभव करना" या "कठिनाइयों का सामना करना" या "क्लेश और कष्टदायक अनुभव होना"।
- प्रकरण के आधार पर, "पीड़ा" का अनुवाद हो सकता है, "अत्यंत कठिन परिस्थितियों" या "गंभीर कठिनाइयों" या "क्लेशों का अनुभव" या "दर्दनाक अनुभवों का समय"
- "प्यास लगना" का अनुवाद हो सकता है, "प्यासा होना" या "प्यास के कारण व्याकुल होना"
- "हिंसा सहना" का अनुवाद हो सकता है, "हिंसा का शिकार होना" या "हिंसक कामों से हानि उठाना"

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 2:14–16
- 2 थिस्सलुनीकियों 1:3–5
- 2 तीमुथियुस 1:8
- प्रे.का. 7:11–13
- यशायाह 53:11
- यिर्मयाह 6:6–8
- मत्ती. 16:21
- भजन-संहिता 22:24
- प्रकाशितवाक्य 1:9

दुःखित

- रोमियो 5:3–5

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **9:13** परमेश्वर ने कहा, "मैं ने अपनी प्रजा के लोग जो मिस्र में है उनके **दुःख** को निश्चय देखा है।"
- **38:12** यीशु ने तीन बार प्रार्थना की, "हे मेरे पिता, यदि हो सके तो यह **दुःख** का कटोरा मुझे पीना न पड़े।
- **42:3** उसने(यीशु) उन्हें भविष्यद्वक्ताओं के वचन स्मरण कराए कि मसीह **दुःख उठाएगा** और मारा जाएगा और फिर तीसरे दिन जी उठेगा।
- **42:7** उसने(यीशु) कहा, "लिखा है कि मसीह **दुःख** उठाएग, मारा जायेगा और तीसरे दिन मरे हुओ में से जी उठेगा।"
- **44:5** यधपि तुम जानते नहीं थे कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो द्वारा ही भविष्यवाणियों को पूरा करने के लिए, कि उसका मसीह **दुःख उठाएगा**, और मारा जाएँगा।
- **46:4** प्रभु ने कहा, "तू चला जा क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिये मेरा चुना हुआ पात्र है। और मैं उसे बताऊँगा कि मेरे नाम के लिये उसे कैसा कैसा **दुःख उठाना** पड़ेगा।"
- **50:17** वह हर आँसू पोंछ देगा और फिर वहाँ कोई **दुख**, उदासी, रोना, बुराई, दर्द, या मृत्यु नहीं होगी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H943, H1741, H1934, H4531, H5142, H5375, H5999, H6031, H6040, H6041, H6064, H6090, H6770, H6869, H6887, H7661, G91, G941, G971, G2210, G2346, G2347, G2552, G2553, G2561, G3804, G3958, G4310, G4778, G4777, G4841, G5004

दुःखित

परिभाषा:

"क्लेश देना" अर्थात किसी को कष्ट या दुःख देना "दुःख" रोग, मानसिक विषाद या इनसे उत्पन्न अन्य विनाश।

- कभी कभी परमेश्वर अपनी प्रजा को रोगों और कठिन परिस्थितियों से क्लेश देता था कि वे अपने पापों से विमुख होकर उसके पास लौट आएं।
- परमेश्वर ने मिस्र पर क्लेश या विपत्तियां डाली थी क्योंकि उनके राजा ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी थी।
- किसी बात से "दबना" रोग, सताव या मानसिक विषाद के कारण क्लेश भोगना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी को क्लेश देना का अनुवाद, "किसी को संकट का अनुभव करवाना" या "किसी को दुःख देना" या "किसी के लिए कष्ट का कारण होना"
- कुछ प्रकरणों में "क्लेश" का अनुवाद हो सकता है, "होना" या "पहुंचाना" या "कष्ट लाना" "कोढ़ से पीड़ित" का अनुवाद "कोढ़ का रोगी होना" हो सकता है।
- मनुष्यों का पशुओं को दुःख देने के लिए जब रोग या मुसीबत भेजी जाती है तो इसका अनुवाद हो सकता है, "दुख देना"
- प्रकरण के अनुसार "दुःख" का अनुवाद हो सकता है, "मुसीबत" या "रोग" या "कष्ट" या "महाक्लेश"।
- "क्लेश पाते है" इस वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "से पीड़ित" या "रोगग्रस्त"

(यह भी देखें: कोढ़, महामारी, दुख उठाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 01:6–8
- आमोस 05:12–13
- कुलुस्सियों 01:24–27
- निर्गमन 22:22–24
- उत्पत्ति 12:17–20
- उत्पत्ति 15:12–13
- उत्पत्ति 29:31–32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H3013, H3905, H3906, H6031, H6039, H6040, H6041, H6862, H6869, H6887, H7451, H7489, G2346, G2347, G3804

दुल्हन

परिभाषा:

दुल्हन वह स्त्री होती है जो विवाह के संस्कार में पुरुष से अर्थात दुल्हें से विवाह करती है।

- “दुल्हन” शब्द यीशु के विश्वासियों अर्थात कलीसिया के लिए भी रूपक स्वरूप काम में लिया गया है।
- यीशु को प्रतीकात्मक रूप में कलीसिया का दुल्हा कहा गया है। (देखें: उपमा)

(यह भी देखें: दुल्हा, आराधनालय)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 22:16
- यशायाह 62:5
- योएल 2:16

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3618, G35650

दुल्हा

परिभाषा:

विवाह में दुल्हा **पुरुष** होता है जो दुल्हन (**स्त्री**) से विवाह करता है।

- बाइबल के युग में यहूदी संस्कृति में विवाह संस्कार का केंद्र था, जब दुल्हा अपनी दुल्हन को लेने आता है।
- बाइबल में यीशु को "दुल्हें" की उपमा दी गई है जो एक दिन अपनी "दुल्हन", कलीसिया को लेने आएगा।
- यीशु ने अपने शिष्यों की तुलना दुल्हें के मित्रों से की थी। जो दुल्हें के साथ रहते समय उत्सव मनाते हैं परन्तु दुल्हे के चले जाने के बाद दुःखी होते हैं।

(यह भी देखें: दुल्हन)

बाइबल सन्दर्भ:

- यशायाह 62:5
- योएल 2:15–16
- यूहन्ना 3:30
- लूका 5:35
- मरकुस 2:19
- मरकुस 2:20
- मत्ती 9:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2860, G35660

दुष्टात्मा

परिभाषा:

ये सब शब्द दुष्टात्माओं के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर विरोधी आत्मिक प्राणी हैं|

दुष्टात्माएँ थीं

- परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अपनी सेवा हेतु सृजा था. शैतान ने जब परमेश्वर से विरोध किया तब कुछ स्वर्गदूतों ने उसके साथ विद्रोह किया और वे स्वर्ग से बाहर गिरा दिए गए थे| ऐसा माना जाता है कि ये "पतित स्वर्गदूत" ही दुष्टात्माएं हैं|
- इन दुष्टात्माओं को कभी-कभी "अशुद्ध आत्माएं" भी कहा गया है| "अशुद्ध" अर्थात "अपवित्र" या "दुष्ट" या "अपवित्र"
- शैतान की सेवा में होने के कारण वे बुरा काम करती हैं. कभी-कभी वे मनुष्यों में प्रवेश करके उनको अपने वश में कर लेती हैं|
- दुष्टात्माएं मनुष्यों से अधिक सामर्थी होती हैं परन्तु परमेश्वर के तुल्य सामर्थी नहीं हैं.

अनुवाद के सुझाव:

- दुष्टात्मा का अनुवाद हो सकता है "बुरी आत्मा"
- "अशुद्ध आत्मा" का अनुवाद हो सकता है, "मलीन आत्मा" या "भ्रष्ट आत्मा" या "बुरी आत्मा."
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद करते समय कोई भी शब्द या उक्ति उस शब्द के समानार्थक न हो जो शैतान के लिए काम में लिया जाए.
- ध्यान दें कि "दुष्टात्मा" शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है. (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: दुष्टात्माग्रस्त, शैतान, मूरत, झूठे देवता, स्वर्गदूत, दुष्ट, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 2:19
- याकूब 3:15
- लूका 4:36
- मरकुस 3:22
- मत्ती. 4:24

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **26:09** बहुत से लोग जिनमें **दुष्टात्माएं** थी, उन्हें यीशु के पास लाया गया. यीशु की आज्ञा पर_दुष्टात्माएं_ प्राय: यह चिल्लाते हुए बाहर निकलती थी, "तू परमेश्वर का पुत्र है!"
- **32:08** **दुष्टात्माएं** उस आदमी में से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं.
- **47:05** अत: एक दिन जब वह दासी चिल्लाने लगी, पौलुस ने मुड़कर उस **आत्मा** से जो उसमे थी कहा, "यीशु के नाम में, उसमें से निकल जा." उसी घड़ी वह **दुष्टात्मा** उसमें से निकल गई.
- **49:02** वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, **दुष्टात्माओं** को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को 5,000 लोगों के लिए पर्याप्त भोजन में बदल दिया.

शब्द तथ्य:

- सिरोंग्स: H2932, H7307, H7451, H7700, G01690, G11390, G11400, G11410, G11420, G41900, G41510, G41520, G41890

दुष्टात्माएँ थीं

परिभाषा:

दुष्टात्माग्रस्त का अर्थ है किसी के कार्य एवं विचार शैतान या दुष्टात्मा के वश में हैं।

दूत

- दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य स्वयं को या अन्य किसी को हानि पहुंचाता है क्योंकि दुष्टात्मा उससे ऐसा करवाती है।
- यीशु ने दुश्तात्माग्रस्त लोगों को चंगा किया; दुष्टात्माओं को आज्ञा देकर कि उनमें से निकल जाएं। इसे प्रायः दुष्टात्मा "निकालना" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “दुष्टात्मा नियंत्रित” या “दुष्टात्मा द्वारा वशीभूत” या “दुष्टात्मा के अन्तर्वास में”

(यह भी देखें: दुष्टात्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- मरकुस 1:32
- मत्ती 4:24
- मत्ती 8:16
- मत्ती 8:33

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **26:9** बहुत से लोग जिनमें _दुष्टात्माएं_ थीं, उन्हें यीशु के पास लाया गया।
- **32:2** जब वह झील की दूसरी तरफ पहुँचे तो तुरन्त एक व्यक्ति जिसमे _अशुद्ध आत्मा_ थी, यीशु के पास दौड़कर आया।
- **32:6 दुष्टात्माग्रस्त** व्यक्ति ने ऊँचे शब्द से चिल्लाकर कहा “हे यीशु परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुझ से क्या काम है? कृपया मुझे पीड़ा न दे!”
- **32:9** लोगों ने आकर उसको जिसमें **दुष्टात्माएँ** थीं, कपड़े पहने और सचेत बैठे देखा और एक सामान्य व्यक्ति का सा व्यवहार करते पाया ।
- **47:3** हर दिन जब वे (पौलुस और सीलास) प्रार्थना करने की जगह जाते थे, तो एक दासी उनका पीछा करती थी जिसमें भावी कहने वाली _दुष्टात्मा_ थी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G11390

दूत

तथ्य:

“दूत” शब्द का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जिसे मनुष्यों को सुनाने के लिए कोई सन्देश दिया जाता है।

- प्राचीन युग में सन्देशवाहक को युद्ध क्षेत्र से नगर में भेजा जाता था कि नगर की प्रजा को युद्ध का समाचार सुनाए।
- स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में "स्वर्गदूत" का अनुवाद "सन्देश वाहक" भी किया गया है।
- यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी दूत कहलाता था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
- यीशु के प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, प्रेरित, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:1–3
- 1 शमूएल 6:21
- 2 राजा 1:1–2
- लूका 7:27
- मत्ती 11:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

दृढ़ करने

परिभाषा:

"दृढ़ करने" (निश्चित करना) और "प्रमाण देना" कि कोई बात सच है, पक्की है और विश्वासयोग्य है।

- जब किसी राजा को "पक्का" किया जाता है तो इसका अर्थ है कि प्रजा सहमत है और पुष्टि करती है।
- किसी की लिखित बात को निश्चित करने का अर्थ है कि लिखी हुई बात सच है।
- सुसमाचार का "प्रमाण" अर्थात यीशु के बारे में सुसमाचार इस प्रकार सुनाना कि वह सच सिद्ध हो।
- शपथ को "पक्का करना" अर्थात गंभीरता से कहना या वचनबद्ध होना कि वह बात सच है।
- इन शब्दों के अनुवाद "सच कहना" या "विश्वासयोग्य सिद्ध करना" या "सहमत होना" या "विश्वास दिलाना" या "प्रतिज्ञा करना" हो सकते हैं परन्तु उन्हें प्रकरण के अनुसार होना है।

(यह भी देखें: वाचा, शपथ, भरोसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 16:15–18
- 2 कुरिन्थियों 01:21–22
- 2 राजा 23:3
- इब्रानियों 06:16–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H553, H559, H1396, H3045, H3559, H4390, H4672, H5414, H5975, H6213, H6965, G950, G951, G1991, G2964, G3315, G4300, G4972

दृढ़गढ़

परिभाषा:

"दृढगढ़" या "गढ़" दोनों ही शब्द उन स्थानों के सन्दर्भ में हैं जो बैरियों की सेना के आक्रमण में सुरक्षित होते हैं । "दुर्ग" शहर के भीतर स्थित गढ़ है। "सुदृढीकृत" उस नगर या स्थान के सन्दर्भ में है जिसे हमले से सुरक्षित बनाया गया है।

- अक्सर, गढ़ों और किले रक्षात्मक दीवारों के साथ मानव निर्मित संरचनाएं थीं। वे प्राकृतिक सुरक्षात्मक अवरोधों के साथ भी हो सकते थे जैसे चट्टानों या उच्च पहाड़ों से।
- लोगों ने दृढगढ़ों को मोटी दीवारों या अन्य संरचनाओं के निर्माण से ऐसा बनाया था कि शत्रु के लिए उसे भेद कर प्रवेश करना कठिन हो।
- "गढ़" या "दृढ़गढ़" का अनुवाद हो सकता है "सुरक्षित दृढ़ स्थान" या "दृढ़ सुरक्षा का स्थान"।
- शब्द "गढ़वाले शहर" का अनुवाद "सुरक्षित रूप से संरक्षित शहर" या "दृढ़ता से निर्मित शहर" के रूप में किया जा सकता है।
- "दृढगढ़" का एक और लाक्षणिक अर्थ है, ऐसी वस्तु जिस पर मनुष्य ने सुरक्षा के लिए झूठा भरोसा रखा है, जैसे झूठे देवी-देवता या यहोवा के स्थान में किसी अन्य वस्तु की उपासना करना। इसका अनुवाद हो सकता है, "झूठे दृढगढ़।"
- इस शब्द का अनुवाद "शरणस्थान" से भिन्न होना आवश्यक है जिसका भावार्थ दृढ़ता की अपेक्षा सुरक्षा से है

(यह भी देखें: झूठे देवता, मूर्ति, शरण, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 10:04
- 2 राजा 08:10–12
- 2 शमूएल 05:8–10
- प्रे.का. 21:35
- हबक्कूक 01:10–11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H490, H553, H759, H1001, H1002, H1003, H1219, H1225, H2388, H4013, H4026, H4581, H4526, H4679, H4685, H4686, H4692, H4693, H4694, H4869, H5794, H5797, H5800, H6438, H6877, H7682, G3794, G3925

दृष्टान्त

परिभाषा:

"दृष्टान्त" अर्थात छोटी कहानी या शिक्षाप्रद कथा जिसके द्वारा नैतिकता का पाठ सिखाया जाता है।

- यीशु दृष्टान्तों के द्वारा अपने शिष्यों को शिक्षा देते थे। यद्यपि यीशु ने जनसमूह को दृष्टान्त सुनाए, परन्तु उनका अर्थ वह अधिकतर नहीं समझाता था।
- उसके शिष्यों पर सत्य को प्रकट करने के लिए दृष्टान्त कहे जाते थे, परन्तु यीशु में विश्वास नहीं करने वाले फरीसी जैसे लोगों से वह सत्य छिपाया जाता था।
- नातान भविष्यद्वक्ता ने दाऊद पर उसका भयंकर पाप प्रकट करने के लिए एक दृष्टान्त सुनाया था।
- नेक सामरी की कहानी एक दृष्टान्त का उदाहरण है।

यीशु द्वारा नई और पुरानी मशकों की तुलना करना दृष्टान्त का ही उदाहरण है जो एक शिक्षाप्रद कथा थी कि शिष्यों को यीशु की शिक्षा समझ में आ जाए।

(यह भी देखें: सामरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 5:36
- लूका 6:39–40
- लूका 8:4
- लूका 8:9–10
- मरकुस 4:1
- मत्ती 13:3
- मत्ती 13:10
- मत्ती 13:13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1819, H4912, G38500, G39420

देखरेख

परिभाषा:

"अध्यक्ष" शब्द उस व्यक्ति के संदर्भ में है जो मनुष्यों के कामों और कल्याण का प्रभारी है। बाइबल में, अक्सर "रखवाला" शब्द का अर्थ"अध्यक्ष" है।"

- पुराने नियम में अध्यक्ष का कार्य था कि अपने कर्मचारियों से अच्छा काम करवाए।
- नये नियम में यह शब्द आरंभिक कलीसिया के अगुवों के संदर्भ में था। उनका कार्य था कि कलीसिया की आत्मिक आवश्यकताओं को पूरा करें और सुनिश्चित करें कि विश्वासियों को उचित बाइबल की शिक्षा दी जाए।
- पौलुस अध्यक्ष को चरवाहा कहता है जो स्थानीय कलीसिया में विश्वासियों की सुधि लेता है क्योंकि कलीसिया उसकी "भेड़ें" हैं।
- एक चरवाहे के सदृश्य अध्यक्ष अपनी भेड़ों की रक्षा करता है। वह झूठी आत्मिक शिक्षा तथा अन्य बुरे प्रभावों से अपनी कलीसिया की रक्षा करता है।
- नये नियम में “अध्यक्ष”, "प्राचीनों" तथा “रखवाले/चरवाहे” आत्मिक अगुओं का बोध कराने के लिए विभिन्न शब्द हैं।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “पर्यवेक्षक” या “प्रभारी” या “प्रबन्धक”
- परमेश्वर के लोगों के स्थानीय समुदाय के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “आत्मिक पर्यवेक्षक” या “विश्वासी समुदाय की आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेनेवाला” या “कलीसिया की आत्मिक आवश्यकताओं का पर्यवेक्षक करनेवाला मनुष्य”

(यह भी देखें: कलीसिया, प्राचीन, पासवान, चरवाहा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 26:31–32
- 1 तीमुथियुस 03:02
- प्रेरि. 20:28–30
- उत्पत्ति 41: 33–34
- फिलिप्पियों 01:01

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H5329, H6485, H6496, H7860, H8104, G1983, G1984, G1985

देवता

परिभाषा:

झूठा ईश्वर वह है जिसकी उपासना मनुष्य एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में करते हैं। “देवी” अर्थात झूठी देवी-देवता का स्त्री रूप।

- झूठे देवी-देवता अस्तित्ववान नहीं हैं। यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है।
- मनुष्य कभी-कभी वस्तुओं की मूर्तियाँ बना कर अपने झूठे देवी देवताओं का प्रतिरूप तैयार कर लेता है।
- बाइबल में परमेश्वर के लोग बार-बार उसकी अवज्ञा करके इन झूठे देवी-देवताओं की पूजा करने लगे थे।
- दुष्टात्माएं मनुष्यों को धोखा देती हैं कि वे विश्वास करें कि जिन झूठे ईश्वरों और मूर्तियों की वे पूजा करते हैं उनमें शक्ति है।
- बाल, दगोन, मोलेक, ये तीन उन अनेक झूठे ईश्वरों में थे जिनकी पूजा बाइबल युग में की जाती थी।
- अशेरा और अरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी पूजा प्राचीन काल में की जाती थी।

मूर्ति एक वस्तु है जिसे लोग बनाते हैं कि वे उसकी पूजा कर सकें। "मूर्तिपूजक" उस किसी को भी कहा जाता है जो एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान दे|

- लोग उन झूठे देवताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए मूर्तियाँ बनाते हैं जिनकी वे पूजा करते हैं।
- ये झूठे देवता कुछ नहीं हैं; यहोवा के अलावा कोई परमेश्वर नहीं है।
- कभी-कभी दुष्टात्मा मूर्ति के माध्यम से काम करते हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि उसमें शक्ति है, भले ही न हो।
- मूर्तियों को अक्सर सोने, चांदी, कांस्य या महंगी लकड़ी जैसी मूल्यवान सामग्रियों से बनाया जाता है।
- एक "मूर्तिपूजक राज्य" का अर्थ है, "उन लोगों का राज्य जो मूर्तियों की पूजा करते हैं" या "उन लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की पूजा करते हैं।"
- शब्द "मूर्तिमान आकृति" एक "नक्काशीदार छवि" या "मूर्ति" का दूसरा शब्द है।

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा या आसपास की भाषा में “ईश्वर” या “झूठे ईश्वर” के लिए कोई शब्द होगा।
- “मूर्ति” शब्द झूठे ईश्वरो के संदर्भ में काम में लिया जा सकता है।
- झूठे ईश्वर के लिए ईश्वर शब्द का आरम्भ छोटे अक्षर 'g' से और एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए परमेश्वर शब्द का आरम्भ बड़े 'G' से किया जाता है । अन्य भाषाओं में भी ऐसा हो सकता है
- एक विकल्प यह भी है कि झूठे ईश्वरों के लिए एक पूर्णतः भिन्न शब्द का उपयोग किया जाता है।
- कुछ भाषाओं में झूठे ईश्वर के लिंग भेद हेतु एक अतिरिक्त शब्द का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: परमेश्वर, अशेरा, बाल, मोलेक, दुष्ट आत्मा, मूर्ती, राज्य, पूजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 35:2
- निर्गमन 32:1
- भजन. 31:6
- भजन. 81:8–10
- यशायाह 44:20
- प्रे.का. 7:41
- प्रे.का. 7:43
- प्रे.का. 15:20
- प्रे.का. 19:27
- रोमियों 2:22
- गलातियों 4:8–9
- गलातियों 5:19–21
- कुलुस्सियों 3:5
- 1 थिस्सलुनीकियों 1:9

बाइबल कहानियों के उदाहरण:

- **10:2** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के _ देवताओ_ से कई अधिक शक्तिशाली है।
- **13:4** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। "तू मुझे छोड़ दूसरों को **ईश्वर** करके न मानना।
- **14:2** उन्होंने(कनानियो) झूठे _ देवताओं_ की उपासना की, और बहुत से दुष्ट कार्य किए।
- _16:1_इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के **देवता** की उपासना करना आरम्भ किया।
- **18:13** परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे। कुछ राजा झूठे **देवताओं** के लिए अपने बच्चों का भी बलिदान चढ़ाने लगे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

देवदारू

परिभाषा:

"देवदारू" एक बड़ा पेड़ होता है जिसकी लकड़ी लाल-भूरे रंग की होती है। अन्य देवदार प्रजाति के वृक्षों के समान इसके नुकीले पत्ते होते हैं और शंकु जैसे फल होते हैं।

- पुराने नियम में लबानोन के संबन्ध में देवदारू वृक्षों की चर्चा की गई है, वहां ये वृक्ष बहुतायत से पाए जाते थे।
- यरूशलेम के मन्दिर के निर्माण में देवदारू की लकड़ी काम में ली गई थी।
- इसका उपयोग बलि चढ़ाने और शुद्धिकरण के चढ़ावों में किया जाता था।

(यह भी देखें: सनौबर, शुद्ध, बलि, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 14:1–2
- 1 राजा 7:1–2
- यशायाह 2:13
- जकर्याह 11:2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H730

दोष

तथ्य

"दोष" अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष या विकलांगता। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

- कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
- यह मसीह यीशु की निष्पाप एवं सिद्ध बलि का चित्रण है।
- मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
- प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, "दोष" या "असिद्धता" या "पाप"।

(यह भी देखें: विश्वास, शुद्ध, बलिदान, पाप)

बाइबल सन्दर्भ

- 1 पतरस 1:19
- 2 पतरस 2:13
- व्यवस्थाविवरण 15:19–21
- गिनती 6:13–15
- श्रेष्ठगीत 4:7

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: H3971, H8400, H8549, G34700

दोष

परिभाषा:

"दोष" शब्द का संदर्भ पाप करने या अपराध से है।

- "दोषी होना" अर्थात नैतिकता के क्षत्र में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
- "दोषी" का विलोम शब्द है "निर्दोष"

अनुवाद के सुझाव:

- कुछ भाषाओं में "दोष" का अनुवाद "पाप का बोझ" या "पाप का गिनना" किया गया है।
- "दोषी होने" के अनुवाद रूपों में ऐसा शब्द या उक्ति हो सकते हैं जिनके अर्थ हों, "अपराधग्रस्त होना" या "नैतिकता के क्षेत्र में गलत काम करना" या "पाप करना"

(यह भी देखें: निर्दोष, अधर्म के काम, दण्ड देना, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 28:36–38
- यशायाह 6:7
- याकूब 2:10–11
- यूहन्ना 19:4
- योना 1:14

बाइबल की कहानियों से उदाहरण:

- **39:2** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। परन्तु उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी अगुवे यीशु को **दोषी** सिद्ध नहीं कर पाए।
- **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ के सामने आया, और कहा, "मैं तो इस व्यक्ति में कोई **दोष** नहीं पाता।" परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, "इसे क्रूस पर चढ़ा।" पिलातुस ने कहा , "मैं इसमें कोई **दोष** नहीं पाता।" परन्तु वे और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा "यह **दोषी** नहीं है।"
- **40:4** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, "क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम **अपराधी** है पर ,यह तो बेगुनाह है।"
- **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम **दोषी** हो और मृत्यु के योग्य हो।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0816, H0817, H0818, H5352, H5355, H7563, G03380, G17770, G37840, G52670

दोष लगाना

परिभाषा:

"दोष लगाना" और "दण्ड की आज्ञा" अर्थात अनुचित काम के लिए किसी का न्याय करना।

- "दोष लगाना" में प्रायः किसी मनुष्य को उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड देना शामिल होता है।
- कभी-कभी "दोष लगाना" का अर्थ किसी पर झूठा आरोप लगाना या किसी का निर्दयता से न्याय करना भी होता है।
- "दण्ड की आज्ञा" का संदर्भ किसी को दण्डित करने या किसी पर आरोप लगाने से होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "कठोरता से न्याय करना" या "झूठी आलोचना करना।"
- "उस पर दोष लगाना" का अनुवाद हो सकता है, "न्याय करना कि वह दोषी है" या "आदेश देना कि उसे पाप का दण्ड दिया जाए"
- "दण्ड की आज्ञा" का अनुवाद हो सकता है, "कठोरता से न्याय करना" या "दोषी ठहराना" या "अपराध का दण्ड"

(यह भी देखें: न्याय, दण्ड देना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 यूहन्ना 3:20
- अय्यूब 9:29
- यूहन्ना 5:24
- लूका 6:37
- मत्ती 12:7
- नीतिवचन 17:15–16
- भजन संहिता 34:22
- रोमियो 5:16

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6064, H7034, H7561, H8199, G01760, G08430, G26070, G26130, G26310, G26320, G26330, G29170, G29190, G29200, G52720, G60480

दोषबलि

परिभाषा:

दोषबलि,एक ऐसी बली या भेंट थी जो परमेश्वर ने इस्राएल के लिए निर्धारित किया था जब अनजाने में वे परमेश्वर के अपमान या किसी की सम्पदा की हानि जैसा अनर्थ कर बैठें।

- इस बलि में पशु चढ़ाया जाता था और सोने या चांदी की मुद्रा में भुगतान किया जाता था।
- इसके अतिरिक्त दोषी मनुष्य की क्षतिपूर्ति करनी होती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्नबलि, बलिदान, पाप बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 06:3–4
- 2 राजा 12:15–16
- लैव्यव्यवस्था 05:5–6
- गिनती 06:12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H817